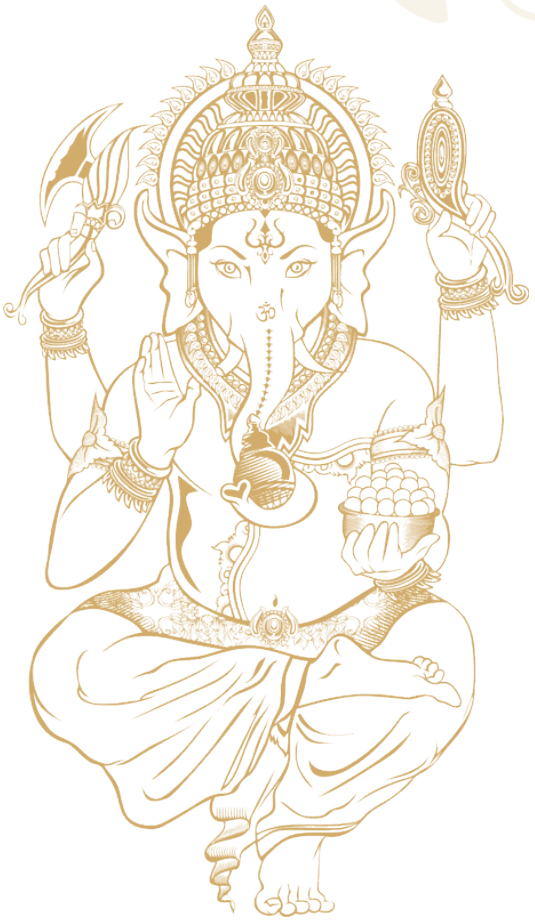

Mr.

14 Aug 2005

07:15 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121589302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/08/2005**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	03:24:24 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:44:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:41 घंटे
साम्पातिक काल	04:14:49 घंटे
सूर्योदय	05:53:14 घंटे
सूर्यास्त	19:16:33 घंटे
दिनमान	13:23:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:26:59 कर्क
लग्न के अंश	13:43:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:43:24	304:44:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	27:26:59	00:57:37	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	09:26:03	13:37:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			मेष	15:15:44	00:30:05	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		कर्क	15:04:18	00:14:20	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	21:23:34	00:09:54	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	02:26:09	01:11:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शनि			कर्क	09:43:37	00:07:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	21:11:11	00:01:38	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	21:11:11	00:01:38	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	15:33:12	00:02:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	22:07:20	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:59:15	00:00:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	11:40:39	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:04

लग्न-चलित

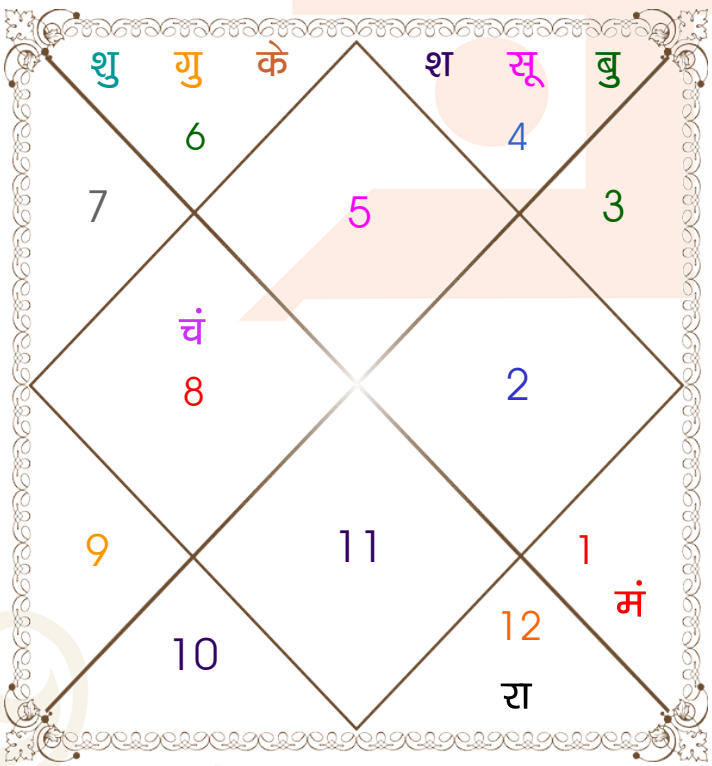

चन्द्र कुंडली

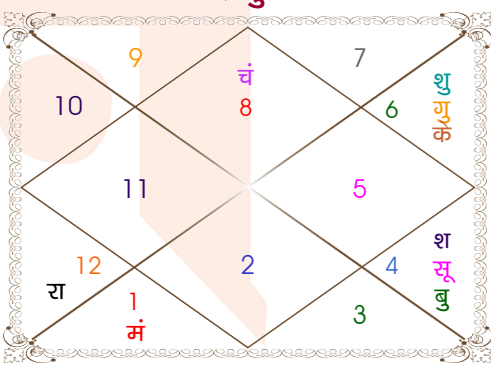

नवमांश कुंडली

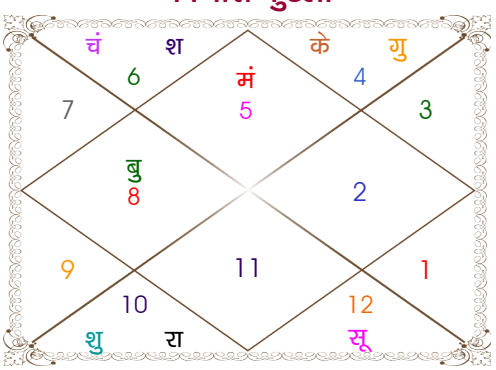

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 3 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/08/2005		04/12/2015		03/12/2032		04/12/2039		04/12/2059	
04/12/2015		03/12/2032		04/12/2039		04/12/2059		04/12/2065	
	00/00/0000	बुध	02/05/2018	केतु	02/05/2033	शुक्र	05/04/2043	सूर्य	23/03/2060
	00/00/0000	केतु	29/04/2019	शुक्र	02/07/2034	सूर्य	04/04/2044	चंद्र	21/09/2060
	14/08/2005	शुक्र	27/02/2022	सूर्य	06/11/2034	चंद्र	04/12/2045	मंगल	27/01/2061
शुक्र	25/11/2006	सूर्य	03/01/2023	चंद्र	08/06/2035	मंगल	03/02/2047	राहु	22/12/2061
सूर्य	07/11/2007	चंद्र	04/06/2024	मंगल	04/11/2035	राहु	02/02/2050	गुरु	10/10/2062
चंद्र	07/06/2009	मंगल	01/06/2025	राहु	21/11/2036	गुरु	03/10/2052	शनि	22/09/2063
मंगल	17/07/2010	राहु	19/12/2027	गुरु	28/10/2037	शनि	04/12/2055	बुध	29/07/2064
राहु	23/05/2013	गुरु	26/03/2030	शनि	07/12/2038	बुध	04/10/2058	केतु	03/12/2064
गुरु	04/12/2015	शनि	03/12/2032	बुध	04/12/2039	केतु	04/12/2059	शुक्र	04/12/2065

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/12/2065		04/12/2075		04/12/2082		04/12/2100		04/12/2116	
04/12/2075		04/12/2082		04/12/2100		04/12/2116		00/00/0000	
चंद्र	04/10/2066	मंगल	01/05/2076	राहु	16/08/2085	गुरु	23/01/2103	शनि	08/12/2119
मंगल	05/05/2067	राहु	20/05/2077	गुरु	10/01/2088	शनि	05/08/2105	बुध	17/08/2122
राहु	03/11/2068	गुरु	26/04/2078	शनि	16/11/2090	बुध	11/11/2107	केतु	26/09/2123
गुरु	05/03/2070	शनि	04/06/2079	बुध	04/06/2093	केतु	17/10/2108	शुक्र	15/08/2125
शनि	04/10/2071	बुध	01/06/2080	केतु	22/06/2094	शुक्र	18/06/2111		00/00/0000
बुध	05/03/2073	केतु	28/10/2080	शुक्र	22/06/2097	सूर्य	05/04/2112		00/00/0000
केतु	04/10/2073	शुक्र	28/12/2081	सूर्य	17/05/2098	चंद्र	05/08/2113		00/00/0000
शुक्र	04/06/2075	सूर्य	05/05/2082	चंद्र	16/11/2099	मंगल	12/07/2114		00/00/0000
सूर्य	04/12/2075	चंद्र	04/12/2082	मंगल	04/12/2100	राहु	04/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।